B.A. Honors

Title of the Course	Course Code	Course Outcomes
Veda aur Vyakaran	**A1-SANS-1T**	विश्व की धरोहर के रूप में घोषित ऋग्वेद सहित सम्पूर्ण वैदिक साहित्य की ज्ञानमहिमा से छात्र लाभान्वित होंगे।
		व्याकरण के माध्यम से संस्कृत भाषा साहित्य की संरचना की समझ में सहायक होगी।
		छात्र में संस्कृत लेखन और अनुवाद की कला का विकास होगा।
		छात्र के धार्मिक और आध्यात्मिक व मनोवैज्ञानिक विकास में सहयोगी सिद्ध होगा।
		प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलेगी।
		प्राचीन देवताओं और यज्ञ विधाओं से छात्र सुपरिचित हो सकेगा।
		पृथिवी की महिमा से अवगत होकर छात्र में पृथ्वी माता के प्रति समर्पण की भावना विकसित होगी।
		वाक्य निर्माण व प्रयोग का ज्ञान होगा।
		संस्कृत भाषा में अनुवाद कला एवं सम्भाषण कौशल का विकास होगा।
Arsha Kavya evam Laukik Kavya	**A1-SANS-2T**	नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक।
		रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक।
		भारतीय संस्कृति के अवबोध एवं महापुरूषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना।
		प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान।
		रंग मंचीय कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय।
		छात्र में कथा लेखन की शैली का विकास।
		उपदेशात्मक काव्य से नैतिक मूल्यों का विकास।
Gadya Darshan Evam Vyakaranam	**A2-SANS-1T**	छात्रों के चारित्रिक विकास में अत्यन्त उपयोगी।
		सार्वभौमिक दृष्टि से आध्यात्मिक उन्नयन में सहायक।
		भारतीय दार्शनिक चिन्तन की वैज्ञानिकता का अवबोध।
		भारतीय संस्कृति एवं कलाओं से परिचित कराना।
		छात्रों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास के साथ भाषा अवबोध हेतु महत्त्वपूर्ण।
		छात्रों को काव्य विधा लेखन की कला में दक्ष बनाना।
		संस्कृत में वाक्य निर्माण और प्रयोग का ज्ञान कराना।
		संस्कृत में अनुवाद एवं संभाषण कौशल का विकास।
Mahakavya Evam Natak	**A2-SANS-2T**	छात्रों को काव्य विधाओं से परिचित कराना।
		छात्रों को आश्रम के नियमों तथा गौ-सेवा की महिमा का बोध कराना।
		नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान।

		रंगमंचीय प्रयोग तथा नाट्यलेखन की विधा का परिचय।
		छात्रों में अभिनय कला का विकास तथा अभिरुचि संवर्धन।
		छात्रों को प्राचीन नाट्यकारों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना।
		छात्रों को जीवन मूल्यों एवं नैतिक दायित्व की शिक्षा प्रदान कराना।
Geetadarshan, Vyakarana Aur Bhashavijnan	**A3-SANS1D**	निष्काम कर्म करने की प्रेरण प्रदान करता है।
		भारतीय संस्कृति में आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश।
		प्राचीन वर्णाश्रम की अवधारणा का अवबोध व वैशिष्ट्य।
		प्राचीन गुरुशिष्य परम्परा का सम्यक् ज्ञान।
		प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति से छात्रों को अवगत कराना।
		पितृभक्ति और अध्यात्म विद्या पर प्रकाश।
		छात्रों का भाषाविज्ञान के विविध आयामों से परिचय कराना।
		भारतीय एवं अन्य भाषाओं के ज्ञान और परिष्कार में सहायक।
Kavya, Chhanda Evam Alankar	**A3-SANS2D**	प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था एवं आदर्श राजनीति के तत्त्वज्ञान में सहायक।
		आदर्श दाम्पत्य जीवन के प्रेरणा।
		नाट्यकला एवं चित्रकला का अवबोध।
		करुणरस के परिपाक की चरम अनुभूति कराने में सहायक।
		भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूलों का अभिवर्धन एवं पात्रों के मनोवैज्ञानिक चित्रण कराने में समर्थ।
		भारतीय जीवन पद्धति के विविधपक्षों पर प्रकाश एवं राष्ट्रप्रेम की अवधारणा का पोषक।
		आधुनिक संस्कृत कवि परम्परा के वैशिष्ट्य से छात्र परिचित होंगे।
		नई पीढ़ी के लिए काव्य सर्जना में सहायक।
Sahitya Shastriya Chintan	**A3-SANS3D**	प्राचीन साहित्य शास्त्र की चिन्तन परम्परा से छात्रों को परिचित कराना।
		काव्यसर्जन हेतु काव्यशास्त्र से मौलिक सिद्धान्तों का ज्ञान कराकर छात्रों में अभिरूचि जागृत करना।
		साहित्यशास्त्रीय विवध चिन्तन परम्पराओं से छात्रों को अवगत कराना।
		छात्रों को काव्यतत्त्वों का समग्रबोध कराना।
		काव्य की सार्वजनीन और सार्वकालिक महिका को रेखांकित करना।
		छात्रों में कल्पनाशक्ति का विकास एवं काव्यसौन्दर्य बोध कराना।
Roopak Parichay Aur Prayog	**A3-SANS4D**	छात्रों रूपकविधाओं और नाट्यतत्त्वों से परिचित हो सकेंगे।
		नाटकीय विषय वस्तु के अवबोध तथा चयन में सहायक।
		छात्रों में संवाद योजना एवं कथोपकथन की कला का विकास।
		विविध पात्रों के स्वरूप एवं विशेषताओं का ज्ञान कराना।
		अभिव्यक्ति कौशल का विकास।
		विविध नाट्यरसों के ज्ञान में सहायक।
		अभिनयक्षेत्र एवं रंगमंचीय कला कौशल का विकास।